अध्याय
04

वन्य समाज और उपनिवेशवाद

© JCERT not to be republished

औद्योगिकरण के युग में 1700 से 1995 के बीच 139 लाख वर्ग किलोमीटर जंगल औद्योगिक इस्तेमाल खेती-बाड़ी, चारागाह एवं ईंधन की लकड़ी के लिए साफ कर दिया गया।

वनों का विनाश

1. भूमि की बेहतरी के लिए
2. अंग्रेजों ने व्यवसायिक फसलें जैसे पटसन गन्ना व कपास के उत्पादन को बढ़ावा दिया।
3. औपनिवेशिक सरकार ने जंगलों को उत्पादक नहीं समझा।
4. उनके अनुसार इस व्यर्थ के जंगलों पर खेती करके उससे राजस्व और कृषि उत्पादों को पैदा किया जा सकता।

पटरी पर स्लीपर

1. 1850 के दशक में रेल लाइनों के प्रसार ने लकड़ी की मांग बढ़ा दी।
2. इंजनों को चलाने के लिए ईंधन के तौर पर और रेल की पटरियों को जोड़े रखने के लिए स्लीपर के रूप में लकड़ी की बहुत जरूरत थी।
3. रेल लाइनों के विस्तार के साथ-साथ बड़ी तादाद में पेड़ काटे गए रेल लाइनों के इर्द गिर्द जंगल तेजी से गायब होने लगे।

बागान

1. चाय, कॉफी, रबड़ की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बागान बनाए गए।
2. बागान बनाने के लिए प्राकृतिक वनों का एक बहुत बड़ा हिस्सा साफ कर दिया गया।
3. औपनिवेशिक सरकार ने जंगलों को अपने कब्जे में लेकर उनके विशाल हिस्सों को सस्ती दरों पर यूरोपीय बागान मालिकों को सौंप दिया।
4. यूरोपीय बागान मालिकों ने इन इलाकों की बाड़ाबंदी करके जंगलों को साफ कर दिया और चाय कॉफी की खेती की जाने लगी।
5. व्यवसायिक वानिकी

डायट्रिच ब्रैंडिस

1. जर्मन विशेषज्ञ

2. प्रथम वन महानिदेशक
3. 1864 में भारतीय वन सेवा की स्थापना की
4. 1865 में भारतीय वन अधिनियम को सूत्रबध किया।

वैज्ञानिक वानिकी

1. 1906 में देहरादून में इंपीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई।
2. यहां वैज्ञानिक वानिकी पद्धति से शिक्षा दी जाती थी।
3. वैज्ञानिक वानिकी में विविध प्रजाति वाले प्राकृतिक वनों को काट डाला गया एवं इनकी जगह सीधे पंक्ति में एक ही किस्म के पेड़ लगा दिए गए।
4. 1865 में वन अधिनियम लागू होने के बाद इसमें दो बार संशोधन हुआ 1878 और 1927 में।
5. 1878 वाले अधिनियम में जंगलों को तीन श्रेणियों में बांटा गया- आरक्षित, सुरक्षित एवं ग्रामीण।
6. सबसे अच्छे वनों को आरक्षित वन कहां गया, गांव वाले इन जंगलों से अपने उपयोग के लिए कुछ भी नहीं ले सकते थे।

व्यवसायिक वानिकी का प्रभाव

लोगों के जीवन पर

1. वन अधिनियम के कारण लोगों के लिए लकड़ी काटना पशुओं को चराना, कंदमूल इकट्ठा करना आदि गतिविधियां गैर कानूनी बन गई।
2. लोगों के पास जंगल से लकड़ी चुराने के अलावा कुछ रास्ते नहीं थे।
3. जलावन की लकड़ी एकत्र करने वाली औरतें विशेष तौर से परेशान रहने लगी।

कृषि व्यवस्था पर

1. वन अधिनियम का सबसे गहरा प्रभाव झूम या घुमंतू खेती पर पड़ा।
2. घुमंतू खेती के कारण सरकार के लिए लगान का हिसाब रखना मुश्किल हो रहा था।
3. सरकार ने घुमंतू खेती पर रोक लगाने का फैसला किया परिणाम स्वरूप अनेक समुदायों को जंगलो में उनके घरों से जबरन विस्थापित कर दिया गया।
4. कुछ लोगों को अपना पेशा बदलना पड़ा तो कुछ ने छोटे बड़े विद्रोह के जरिए प्रतिरोध किया।

नोट-

1. झूम या घुमंतू कृषि- जंगल के कुछ भागों को बारी-बारी से काटा और जलाया जाता है, इससे निर्मित राख उर्वरक की भांति कृषि कार्य में उपयोगी होता है, खेती करने के बाद इसे कुछ सालों के लिए परती छोड़ दिया जाता है ताकि भूमि उपजाऊ बन सके।

© JCERT not to be republished

2. घुमंतू कृषि के कई स्थानीय नाम है जैसे-दक्षिण पूर्व एशिया में लाधिंग, मध्य अमेरिका में मिलपा, अफ्रीका में चितमेन या तावी एवं श्रीलंका में चेना।

3. हिंदुस्तान में घुमंतु कृषि के लिए दया, पेंदा बेवर, नेवड़, झूम, खंदाद और कुमरी स्थानीय नाम है।

शिकार पर

1. वन कानूनों के पहले जंगलों में उनके आसपास रहने वाले बहुत से लोग शिकार करके जीवन यापन करते थे यह प्रथा अब गैरकानूनी हो गई।

2. शिकार करते हुए पकड़े जाने वालों को अवैध शिकार के लिए दंडित किया जाने लगा।

3. औपनिवेशिक शासन के दौरान अंग्रेजों द्वारा शिकार का चलन बहुत बढ़ गया। जानवरों का आखेट एक खेल बन गया कई प्रजातियां लगभग पूरी तरह लुप्त हो गई।

4. अंग्रेजों की नजर में बड़े जानवर जंगली, आदि समाज के प्रतीक थे उनका मानना था कि खतरनाक जानवरों को मारकर वे हिंदुस्तान को सभ्य बनाएंगे।

5. बाघ, भेड़िए और दूसरी बड़े जानवरों के शिकार पर यह कहकर इनाम दिए गए कि इन से किसानों को खतरा है।

6. 1875 से 1925 के बीच इनाम के लालच में 80,000 से ज्यादा बाघ 1,50,000 तेंदुए और 2,00,000 भेड़िए मार दिए गए।

7. अकेले जॉर्ज यूल नामक अंग्रेज अफसर ने 400 बाघों को मारा था।

नए व्यापार,रोजगार और सेवाएं

1. अंग्रेजों के आने के बाद व्यापार पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में चला गया।

2. ब्रिटिश सरकार ने कई बड़े यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों को विशेष इलाकों में वन उत्पादों के व्यापार का एकाधिकार प्रदान किया।

3. स्थानीय लोगों द्वारा शिकार करने और पशुओं को चराने पर रोक लगा दी गई।

4. मद्रास प्रेसीडेंसी के कोरावा, कराचा एवं येरुकुला जैसे चरवाहे और घुमंतु समुदाय अपनी जीविका गवां बैठे।

5. इनमें से कुछ को अपराधी कबीले कहा जाने लगा और वे सरकार की निगरानी में फैक्ट्रियों खदानों एवं बागानों में काम करने को मजबूर हो गए।

वन विद्रोह

बस्तर

1. बस्तर छत्तीसगढ़ के सबसे दक्षिणी छोर पर आंध्रप्रदेश उड़ीसा एवं महाराष्ट्र की सीमाओं से लगा हुआ क्षेत्र है।

2. बस्तर में मरिया और मोरिया, गोंड, धुरवा, भातरा, हलबा आदि अनेक समुदाय रहते हैं।

बस्तर विद्रोह

1. औपनिवेशिक सरकार ने 1905 में गल को आरक्षित करने घुमंतू खेती रोकने और शिकार एवं वन्य उत्पादों के संग्रह पर पाबंदी लगा दी।

2. बस्तर विद्रोह के नेता, नेथानर गांव के गुंडाधुर थे।

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

© JCERT not to be republished

3. 1910 में आम की टहनियां, मिट्टी के ढेले, मिर्च और तीर, गांव-गांव घूमने लगे यह गांव में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का संदेश था।

4. प्रत्येक गांव ने बस्तर विद्रोह के खर्चे में कुछ ना कुछ मदद की।

5. बाजार लूटे गए अफसरों और व्यापारियों के घर, स्कूल और पुलिस थानों को लूटा और जलाया गया तथा अनाज का पुनर वितरण किया गया।

6. अंग्रेजों ने विद्रोह को कुचलने के लिए सैनिक भेजें अंग्रेज सैनिक विद्रोह में शामिल लोगों पर कोड़े बरसाते और उन्हें सजा देते थे।

7. विद्रोहियों की सबसे बड़ी उपलब्धि यही रही की वन आरक्षण का काम कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया गया।

8. बस्तर के जंगलों और लोगों की कहानी खत्म नहीं हुई आजादी के बाद भी लोगों को जंगलों से बाहर रखने और जंगलों को औद्योगिक उपयोग के लिए आरक्षित रखने की नीति कायम रही।

जावा के जंगलों में हुए बदलाव

1. जावा को इंडोनेशिया के चावल उत्पादक द्वीप के रूप में जाना जाता है।

2. इंडोनेशिया में जावा ही वह क्षेत्र है जहां डच ने वन प्रबंधन की शुरुआत की थी।

3. अंग्रेजों की तरह डच भी जहाज बनाने के लिए जावा से लकड़ी हासिल करना चाहते थे।

4. जावा में कलांग समुदाय के लोग कुशल लकड़हारे और घुमंतू किसान थे।

5. डच ने जब 18वीं सदी में वनों पर नियंत्रण स्थापित करना प्रारंभ किया तो कलांग ने डच पर हमला करके इसका प्रतिरोध किया था।

मानचित्र

डच वैज्ञानिक वानिकी

1. डच उप निवेशकों ने जावा में वन कानून लागू कर ग्रामीणों की जंगल तक पहुंच पर बंदिशें डाल दी

2. ग्रामीणों को मवेशी चराने,बिना परमिट लकड़ी इकट्ठा करने या जंगल से गुजरने वाली सड़कों पर घोड़ा गाड़ी अथवा जानवरों पर चढ़कर आने- जाने के लिए दंडित किया जाने लगा।

3. भारत की ही तरह यहां भी जहाज और रेल लाइनों के निर्माण में वन प्रबंधन और वन सेवाओं को लागू कर दिया गया।

4. 1882 में केवल जावा से ही 2,80,000 स्लीपरओं का निर्यात किया गया।

5. जंगलों में खेती की जमीनों पर लगान लगा दिया और बाद में कुछ गांवों को इससे मुक्त कर दिया कि वे सामूहिक रूप से पेड़ काटने और लकड़ी इकट्ठा करने के लिए भैंसे उपलब्ध कराने का काम करें।

युद्ध और वन विनाश

1. पहले और दूसरे विश्वयुद्ध का जंगलों पर गहरा प्रभाव पड़ा।

2. भारत में वन विभाग ने अंग्रेजों के युद्ध संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए अत्यधिक पेड़ काटे।

3. जावा पर जापानी कब्जे से ठीक पहले

© JCERT not to be republished

डचो ने "भस्म कर भागो नीति" अपनाएं।

4. "भस्म कर भागो नीति" के तहत आरा मशीनों और सागौन की विशाल लट्ठों के ढेर जला दिए गए जिससे कि वे जापानियों के हाथ न लग पाए।

5. जापानियों ने वनवासियों को जंगल काटने के लिए बाध्य करके अपने युद्ध उद्योग के लिए जंगलों का दोहन किया।

6. बहुत सारे गांव वालों ने इस अवसर का लाभ उठाकर जंगल में अपनी खेती का विस्तार किया।

7. युद्ध के बाद इंडोनेशियाई वन सेवा के लिए इन जमीनों को वापस हासिल कर पाना कठिन था।

वानिकी में नए बदलाव

1. एशिया और अफ्रीका की सरकारों ने वनों से इमारती लकड़ी हासिल करने के बजाय जंगलों के संरक्षण को महत्व दिया।

2. सरकार ने यह मान लिया कि वन संरक्षण के लिए वन प्रदेशों में रहने वाले लोगों की मदद लेनी चाहिए।

3. मिजोरम से लेकर केरल तक हिंदुस्तान में हर कहीं घने जंगल इसलिए बच पाए कि ग्रामीणों ने सरना देवराकूड़, कान, राई इत्यादि नाम से पवित्र बागीचा समझकर इनकी रक्षा की।

प्रश्नावली

उत्तर - झूम खेती करने वालों को वन प्रबंधन ने निम्नलिखित प्रकार से प्रभावित किया।

1. सरकार ने घुमंतू खेती पर रोक लगाने का फैसला किया तो इसके परिणाम स्वरूप अनेक समुदायों को उनके घरों से जबरन विस्थापित कर दिया गया।

2. कुछ को अपना पेशा बदलना पड़ा तो कुछ नहीं छोटे बड़े विद्रोह के जरिए विरोध प्रकट किया।

उत्तर - 1. वन अधिनियम के कारण देश भर में गांव वालों की मुश्किलें बढ़ गई इस कानून के बाद घर के लिए लकड़ी काटना, पशुओं को चराना, कंद मूल, फल, इकट्ठा करना आदि रोजमर्रा की गतिविधियां गैरकानूनी बन गई।

2. अब उनके पास जंगलों से लकड़ी चुराने के अलावा कोई चारा नहीं बचा और पकड़े जाने की स्थिति में वन रक्षकों की दया पर होते थे जो उनसे घूस लेते थे।

3. जलावनी लकड़ी एकत्र करने वाली औरतें विशेष तौर से परेशान रहने लगी।

4. स्थानीय लोगों द्वारा शिकार करने और पशुओं को चराने पाबंदी लगा दी गई इस प्रक्रिया में मद्रास प्रेसिडेंसी के कोरावा, कराचा एवं यारुकुल्ला जैसे अनेक चरवाहे एवं घुमंतु समुदाय अपनी जीविका गवा बैठे।

उत्तर 1. ब्रिटिश सरकार ने कई बड़ी यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों को विशेष इलाकों में 1 उत्पादों के व्यापार की इजारेदारी सौंप दें

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

© JCERT not to be republished

2. वन उत्पादों पर पूरी तरह सरकारी नियंत्रण हो गया।
3. इनमें से कुछ को अपराधी कबीले कहा जाने लगा और ये सरकार की निगरानी में फैक्ट्रियों, खदानों एवं बागानों में काम करने को मजबूर हो गए।

उत्तर - 1. यूरोप में चाय, कॉफी, रबड़ की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भी प्राकृतिक वनों की कटाई गई।
2. औपनिवेशिक सरकार ने जंगलों को अपने कब्जे में लेकर उनके विशाल हिस्सों को बहुत सस्ती दरों पर यूरोपीय बागान मालिकों को सौंप दिया।
3. इन इलाकों की बाड़ाबंदी करके जंगलों को साफ कर दिया गया और चाय, कॉफी के बागान लगाए गए।

उत्तर - 1. शिकार करते हुए पकड़े जाने वालों को अवैध शिकार के लिए दंडित किया जाने लगा।
2. औपनिवेशिक शासन के दौरान शिकार कर चलन इस पैमाने तक बढ़ा की कई प्रजातियां लुप्त हो गई।
3. हिंदुस्तान में बाघों और दूसरे जानवरों का शिकार करना सदियों से दरबारी और नवाबी संस्कृति का हिस्सा रहा था अनेक मुगल कलाकृतियों में सजा दो और सम्राटों को शिकार का मजा लेते हुए दिखाया गया है।
4. वन कानूनों ने लोगों को शिकार के परंपरागत अधिकार से वंचित किया वहीं बड़े जानवरों का आखेट एक खेल बन गया।

2. बस्तर और जावा के औपनिवेशिक वन प्रबंधन में क्या समानताएं हैं?

उत्तर - बस्तर और जावा के औपनिवेशिक वन प्रबंधन में निम्नलिखित समानताएं थी
1. बस्तर में अंग्रेजों ने, तो जावा में डचों ने वनों को आरक्षित कर दिया और बिना इजाजत वन संपदा का उपयोग और प्रवेश वर्जित कर दिया।
2. अंग्रेजों की तरह ही डच उपनिवेशकों ने जावा में वन कानून लागू कर ग्रामीणों की जंगल तक पहुंच पर बंदिशें थोप दी।
3. बस्तर के गांव को आरक्षित वनों में इस शर्त पर रहने दिया गया कि वह वन विभाग के लिए पेड़ों की कटाई और ढुलाई का काम मुफ्त में करेंगे और जंगल को आग से बचाए रखेंगे जबकि जावा में भी डचों ने कुछ गांवों को इस शर्त पर मुक्त कर दिया कि वह सामूहिक रूप से पेड़ काटने और लकड़ी धोने के लिए भैंसे उपलब्ध कराने का काम मुफ्त में किया करेंगे।
4. बस्तर की ही तरह जावा में भी जहाज और रेल लाइनों के निर्माण के उद्देश्य से औपनिवेशिक सरकार ने वन प्रबंधन और वन सेवाओं को लागू किया।

उत्तर- **रेलवे**
1. रेल लाइनों के प्रसार के साथ-साथ

© JCERT not to be republished

चित्र 22 - इंडोनेशिया के ज्यादातर जंगल सुमात्रा, कालिमांतान व पश्चिम इरियान में स्थित हैं। जावा ही वह जगह है जहाँ डचों ने अपनी 'वैज्ञानिक वानिकी' की शुरुआत की थी। यह द्वीप जो अब चावल उत्पादन के लिए मशहूर है, कभी सागौन के जंगलों से ढका रहता था।

बड़ी तादाद में पेड़ भी काटे गए अकेले मद्रास प्रेसीडेंसी में 1850 के दशक में प्रतिवर्ष 35000 पेड़ स्लीपरों के लिए काटे गए।

2. सरकार ने आवश्यक मात्रा की आपूर्ति के लिए निजी ठेके दिए इन ठेकेदारों ने बिना सोचे समझे पेड़ काटना शुरू कर दिया रेल लाइनों के इर्द-गिर्द जंगल तेजी से गायब होने लगे।

3. 1850 के दशक में रेल लाइनों के प्रसार में लकड़ी के लिए नई तरह की मांग पैदा कर दी शाही सेना की आवागमन और औपनिवेशिक व्यापार के लिए रेल लाइनें अनिवार्य थी

4. इंजन को चलाने के लिए ईंधन के तौर पर और रेल की पटरियों को जोड़े रखने के लिए स्लीपरों के रूप में लकड़ी की भारी जरूरत थी।

जहाज निर्माण –

1. औपनिवेशिक शासकों को अपनी नौसेना की शक्ति बढ़ाने के लिए और अपने व्यापारिक जहाजों के निर्माण के लिए भारी मात्रा में इमारती लकड़ियों की आवश्यकता थी।

2. वन विभाग को ऐसे पेड़ों की जरूरत थी जो जहाजों और रेलवे के लिए इमारत की लकड़ी मुहैया करा सके ऐसी लकड़ियां जो सख्त लंबी और सीधी हो इसलिए शगुन और साल जैसी प्रजातियों को प्रोत्साहित किया गया और दूसरी किस्मों को काट डाला गया।

कृषि विस्तार-

1. आबादी बढ़ने से खाद्य पदार्थों की मांग में भी वृद्धि हुई इस कारण वनों को काटकर कृषि कार्य किया जाने लगा।

© JCERT not to be republished

2. औपनिवेशिक काल में खेती में वृद्धि हुई कृषि उत्पादों का भारत और समस्त यूरोप में मांग बढ़ने लगी और इस प्रकार कृषि विस्तार के लिए जंगलों की अंधाधुंध कटाई शुरू हो गई।

व्यवसायिक खेती –

1. व्यवसायिक खेती का अर्थ नकदी फसल उगाने से है इन फसलों में गन्ना, गेहूं, जुट तथा कपास आदि की फसलें शामिल है।

2. 19वीं शताब्दी में व्यवसायिक फसलों की मांग बढ़ गई इसके लिए वनों की कटाई कर कृषि योग्य भूमि प्राप्त की गई अब जंगलों को काट कर नकदी फसलें उगाई जाने लगी।

चाय कॉफी के बागान – यूरोप में चाय और कॉफी की मांग बढ़ने से औपनिवेशिक सरकार ने वनों के अधीन बड़े भूभाग को काटकर बागान मालिकों को सस्ते दामों पर बेच दिया अब इन बागानों में चाय कॉफी रबड़ की खेती होने लगी।

आदिवासी और किसान – आदिवासी और किसान झोपड़ियां आदि बनाने के लिए वनों से लकड़ियां और पेड़ों को काटते थे वनों के आसपास रहने वाले किसान और आदिवासी पूरी तरह वन उत्पादों पर ही निर्भर रहते थे वह भी अपनी आवश्यकताओं के लिए वनों की कटाई करते थे।

4. युद्ध से जंगल क्यों प्रभावित होते हैं?

उत्तर – युद्ध का जंगलों पर प्रभाव —

1. युद्धों से जंगल प्रभावित होते हैं प्रथम तथा विश्व द्वितीय विश्वयुद्ध ने वनों पर बड़ा भारी प्रभाव डाला था।

2. अनेक आदिवासियों ने, किसानों ने एवं अन्य उपयोगकर्ताओं ने युद्ध एवं लड़ाई के दौरान जंगलों में कृषि का विस्तार किया।

3. युद्ध के उपरांत इंडोनेशिया के लोगों के लिए वनों एवं उससे जुड़ी भूमि को पुनः वापस पाना बड़ा कठिन था।

4. जावा में द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापानियों के हाथों से वन संपदा को बचाने के लिए जावा स्थित वनों में डचों ने आग लगा दी थी।

5. भारत में तमाम चालू कार्य योजनाओं को स्थगित करके वन विभाग ने अंग्रेजों की जंगी जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत सारे पेड़ काटे थे।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. भारतीय वन कानून कब पारित हुआ था?
   a. 1860
   b. 1865
   c. 1855
   d. इनमें से कोई नहीं

2. किस अंग्रेज अफसर ने 400 बाघों को मारा था?
   a. जॉर्ज यूल
   b. लॉर्ड कैनिंग
   c. लॉर्ड रीडिंग
   d. ब्रैंडिस

3. भारत का प्रथम वन महानिदेशक कौन था?
   a. लॉर्ड डलहौजी
   b. लॉर्ड मैकाले

© JCERT not to be republished

c. डायट्रिच ब्रैंडिस

d. इनमें से कोई नहीं

4. बस्तर कहां स्थित है?

a. मध्य प्रदेश b. उड़ीसा

c. छत्तीसगढ़ d. झारखंड

5. "भस्म- कर भागो नीति" किसने अपनाई थी?

a. अंग्रेज b. डच

c. फ्रांसीसी d. जापानी

लघु उतरीय प्रश्न

6. वन अधिनियम द्वारा लोगों का जीवन किस प्रकार प्रभावित हुआ?

7. वैज्ञानिक वानिकी किसे कहा जाता है?

8. बस्तर विद्रोह के क्या कारण थे?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

9. वर्तमान समय में वन विनाश के क्या कारण हैं?

10. वन संरक्षण क्यों आवश्यक है, वर्णन करें?

बहुविकल्पीय प्रश्नों का उत्तर

1. b 2. a 3. c 4. c 5. b

© JCERT not to be republished

Notes

© JCERT not to be republished